ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-09-2021

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-09-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-09-18	2021-09-19	2021-09-20	2021-09-21	2021-09-22
वर्षा (मिमी)	6.0	6.0	20.0	10.0	3.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	36.0	36.0	36.0	36.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	27.0	27.0	27.0	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	64	69	69	77
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	39	40	45
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12.0	13.0	17.0	14.0	13.0
पवन दिशा (डिग्री)	153	207	247	237	220
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	5	8	8	7

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में आसमान में बादल छायें रहने के साथ बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमान 36.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 27.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

खाली खेत में तारामीरा की बुवाई के लिए 2-3 बार हैरो से जुताई कर खेत तैयार करे तथा आवश्यक आदानों की अग्रिम व्यवस्था करें। एक हैक्टेयर के लिए 5 किलो बीज पर्याप्त होता है।

लघु संदेश सलाहकार:

20 और 21 सितम्बर को हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँग	मूंग की फसल में सफेद मक्खियों या रस चूसने वाले कीटो का प्रकोप अधिक होने पर इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एससी का 1.0 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
ग्वारफली	ग्वार की फसल में सफ़ेद मक्खी, माहु तथा जैसिड का प्रकोप होने पर डाईफेनथूरोंनरों 50 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम प्रति 2 लीटर पानी की दर से छिड़काव करे।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
तिल	तिल की फसल में फली छेदक कीट के नियंत्रण के लिए क्लोरेनट्रेनीलीप्रोल 18.5 ई.सी 0.4 मिली लीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	मिर्च की फसल में श्यामव्रण (एन्थ्रेक्नोज) रोग के नियंत्रण के लिए डाइफेन्कोनाझोल 25 ई.सी. आधा मिली लीटर का प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिडकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गाय,भैंस, बकरी, भेड इत्यादि को सीधी वर्षा से बचाव के समुचित उपाय करें एवं उनके रहने के स्थल पर पानी इकट्ठा न होने दें तथा बिछावन को सुखा रखें।